नवपाषाणकालीन संस्कृति की विशेषताएँ
(FEATURES OF NEOLITHIC CULTURE)

नवपाषाणकालीन संस्कृति की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

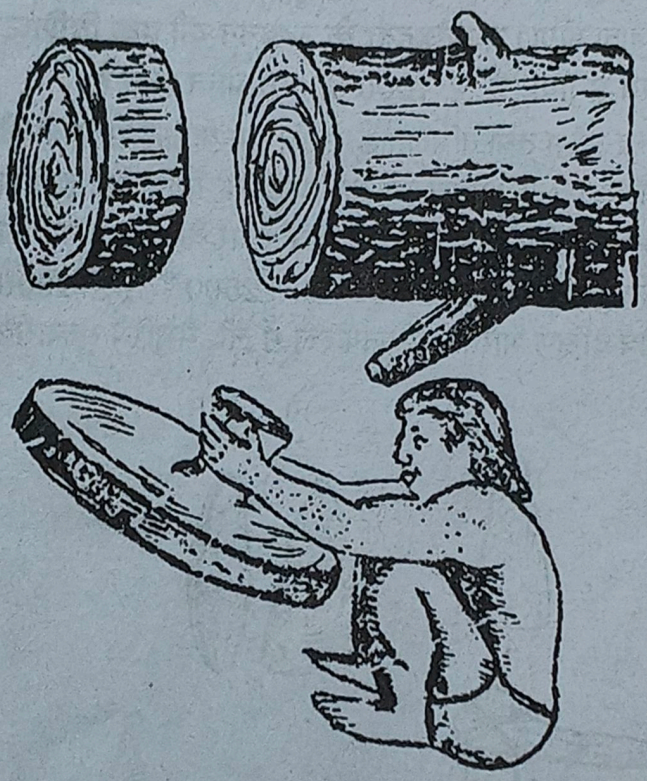

चित्र—नवपाषाण काल में पहिये का आविष्कार एवं चाक के रूप में प्रयोग

(1) पुरापाषाण कालीन मानव अब यायावरी (घुमक्कड़) जीवन से निकलकर नवपाषाण काल में स्थायी आवास की ओर अग्रसर हुआ। इस प्रकार स्थायी **जीवन का आरम्भ** (Beginning of Settled Life) नवपाषाण युग की महत्वपूर्ण विशेषता सिद्ध हुई।

(2) नवपाषाण काल में मानव खाद्य संग्राहक न रहकर कृषि एवं पशुपालन द्वारा खाद्य उत्पादक बन गया। मानव ने खेती करना सीख लिया। **उ. प्र. की बेलन घाटी स्थित कोल्डिहवा स्थल से 7000 ई. पू. धान (चावल) की खेती के साक्ष्य मिले हैं।**

(3) नवपाषाण काल में पशुपालन के प्रारम्भ होने के भी साक्ष्य मिले हैं। सर्वप्रथम मनुष्य ने कुत्ते को पालतू बनाया। यह शिकार में मनुष्य की सहायता करता था व जंगली जानवरों से उसे बचाता था। धीरे-धीरे नवपाषाण कालीन मानव ने गाय, भेड़-बकरी, गधे, घोड़े, ऊँट, मुर्गी आदि को भी पालतू बनाया। बैल, घोड़े एवं ऊँट का प्रयोग वह कृषि कार्य में करने लगा। वजन लादने में भी वह इन पशुओं का उपयोग करने लगा।

(4) मनुष्य खेतों के आसपास झोंपड़ीनुमा घर बनाकर रहने लगा। गारे की कच्ची ईंटों से बनाये गये घरों के भी प्रमाण मिले हैं। कश्मीर के बुर्जहोम में लोगों के गड्ढा घरों में रहने के प्रमाण मिले हैं। दक्षिण-भारत में इस काल में नरकुल और मिट्टी के घर बनाये जाते थे। मिट्टी और सरकन्डे के बने आयताकार व गोलाकार घरों के साक्ष्य मिलते हैं। घर 4-5 कमरों के होते थे। इनमें एक या दो कमरे भण्डारगृह का कार्य करते थे।

(5) अब मनुष्य आग का प्रयोग करना सीख गया था अतः अनाज एवं पशुओं का माँस आग पर पकाकर खाने लगा। दूध, दही, घी आदि का प्रयोग सीख गया। जानवरों की खाल को सिलकर वस्त्र भी बनाने लगा। रुई के प्रयोग से सूती वस्त्र का निर्माण भी सम्भवतः आरम्भ हो गया।

(6) अनाज रखने के लिये मिट्टी के बर्तन—पॉलिशदार काले मृदभांड, धूसर मृदभाण्ड बनाने लगा। **पहिये का आविष्कार** इस युग की महत्वपूर्ण विशेषता थी। अब मनुष्य चाक पर बर्तन बनाने लगा। पहिये का प्रयोग गाड़ी में कर बोझ ढोने की समस्या हल हो गयी। व्यापारिक गतिविधि के आरम्भ को बल मिला।

(7) शवों को दफनाने व जलाये जाने के प्रमाण मिले हैं। मृत्यु के समय कुछ संस्कारों का भी आरम्भ हुआ। कुछ ताबीज भी धर्म की ओर रुचि को प्रकट करते हैं।